

समग्र जीवन दर्शन है श्रीमद्भागवत कथा: योगी

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर मुख्यमंत्री एवं गोक्षणीगीरीशीश योगी अदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुण्य की कथा न केवल एक कथा है अपितु समग्र जीवन दर्शन है। इस संसार में कर्म के फल से ही सुख-दुःख प्राप्त होता है। कर्म से यदि स्वर्ण भी प्राप्त होता है तो वह भी नित्य नहीं है। जब तक पृथ्वी तक स्वर्ण भोग करें। जब पुरुष छीं होंगा तो पूर्ण मुख्य लोक में आना पड़े। ऐसे में इस आवासन के चक्र से मुक्ति का मार्ग बताने वाली कथा श्रीमद्भागवत महापुण्य की कथा है, जो जीव को मुक्ति दिलाती है।

सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में युगपूरुष ब्रह्मलीन महत दिविजयनाथ जी महाराज की 54वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महत अवेदनाथ जी महाराज की 9वीं पुण्यतीर्थ समारोह के उपलब्ध में मंगलवार अपराह्न श्रीमद्भागवत महापुण्य कथा ज्ञानयज्ञ के सुधारांभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मंदिर के दिविजयनाथ स्मृति सभागार में उपस्थित श्रद्धालुओं को सबोंधित करते हुए उन्होंने कहा कि गोक्षणीषं प्रतिवर्ष श्रीराम



कथा अथवा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन करती है। इस वर्ष हमारे बीच में श्रीमद्भागवत कथा के विश्व विश्वरत विज्ञान भागवत भास्कर कृष्णचंद्र शास्त्री थाकुर जी महाराज उपस्थित है। व्यासपाठी के पूजा करने वाले अपराह्न जी उत्तर प्रदेश की भूमि नैमित्यराघव में सुनाई गई थी। इस कथा को लोगों मुनाफे हैं और जनते हैं कि यह हमारे संस्कृत की कथा है। यह हमारी संस्कृत की कथा है। इसमें भगवान की लीला का वर्णन है।

